अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2024-25

अंक-योजना

हिंदी 'ब' विषय कोड—085

प्रश्न-पत्र कोड-- 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा- प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर-पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें और उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा कुल अंकों को आँकड़ों और शब्दों में लिखें।

14. उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

Series: HGFE1 प्रश्न-पत्र कोड 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

अंक योजना

हिंदी 'ब'(085)

प्रश्न सं.	4/1/1	4/1/2	4/1/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न :	(7)
	(i)	(i)	(i)	(C) स्वास्थ्य	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) समाज के विकास में योगदान देने वाला सक्रिय नागरिक	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) कथन सही है लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• पर्यावरण परिवर्तन • सामाजिक संरचना में आए बदलाव • प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी संस्कृति (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2
	(v)	(v)	(v)	किसे- शारीरिक और मानसिक रूप से कुशलक्षेम की अवस्था कैसे- व्यायाम, पौष्टिक भोजन लेने और बुरी आदतों में परिवर्तन	1+1
2	**2**	**1**	**2**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न :	(7)
	(i)	(i)	(i)	(B) दुख के चेतन कारण के साक्षात्कार का अनुमान	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) माँ की आकृति पहचान भूख शांत हो जाने की आशा है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) कथन सही है लेकिन कारण, कथन की गलत व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• दूसरों के द्वारा पहुँचाए जाने वाले कष्टों से बचने के लिए • समाज से निराशा और अत्याचार दूर करने के लिए	2
	(v)	(v)	(v)	• दुख के कारण की जानकारी या अनुमान से जन्म लेने वाला भाव • दूसरों के द्वारा सताए जाने पर उत्पन्न होने वाला भाव • क्रोध के कारण तथा परिणाम के अन्य बिंदु भी स्वीकार्य	2

				खंड – ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	
3	**3**	**3**	**3**	**'पदबंध'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	(1x4 =4)
	(क)	-	-	सुबह से शाम तक	1
	(ख)	-	-	विशेषण पदों का समूह/ शीर्ष पद विशेषण	1
	(ग)	-	-	संज्ञा पदबंध, संज्ञा पदों का समूह/ शीर्ष पद संज्ञा	½+½
	(घ)	-	-	सर्वनाम पदबंध	1
	(ङ)	-	-	क्रिया पदबंध	1
	-	(क)	-	विशेषण पदों का समूह/ शीर्ष पद विशेषण	1
	-	(ख)	-	हवेली से दालान की ओर	1
	-	(ग)	-	संज्ञा पदबंध, संज्ञा पदों का समूह/ शीर्ष पद संज्ञा	½+½
	-	(घ)	-	सर्वनाम पदबंध	1
	-	(ङ)	-	क्रिया पदबंध	1
	-	-	(क)	लुढ़कते-सरकते हुए	1
	-	-	(ख)	संज्ञा पदबंध, संज्ञा पदों का समूह/ शीर्ष पद संज्ञा	½+½
	-	-	(ग)	सर्वनाम पदबंध	1
	-	-	(घ)	क्रिया पदबंध	1
	-	-	(ङ)	विशेषण पदों का समूह/ शीर्ष पद विशेषण	1
4	**4**	**4**	**4**	**'रचना के आधार पर वाक्य भेद'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	(1x4 =4)
	(क)	-	-	मिश्र वाक्य के प्रधान एवं आश्रित उपवाक्यों को स्वतंत्र वाक्यों में बदलना तथा उन्हें योजक से जोड़ना, उदाहरण- मिश्र वाक्य- जैसे ही अध्यापक कक्षा में आए छात्र शांत हो गए। सरल वाक्य में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए। छात्र शांत हो गए। संयुक्त में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए और छात्र शांत हो गए। (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
	(ख)	-	-	हमारा दोस्त सआदत अली बहुत ऐश पसंद आदमी है।	1
	(ग)	-	-	नेचर की जो सहनशक्ति है उसकी भी एक सीमा होती है।/ जो नेचर की सहनशक्ति है उसकी भी एक सीमा होती है।	1

	(घ)	-	-	नूह उनकी बात सुनकर दुखी हुए और मुद्दत तक रोते रहे।	1
	(ङ)	-	-	सरल वाक्य	1
	-	(क)	-	शुद्ध सोना और गिन्नी का सोना अलग-अलग है।	1
	-	(ख)	-	मिश्र वाक्य के प्रधान एवं आश्रित उपवाक्यों को स्वतंत्र वाक्यों में बदलना तथा उन्हें योजक से जोड़ना, उदाहरण- मिश्र वाक्य- जैसे ही अध्यापक कक्षा में आए छात्र शांत हो गए। सरल वाक्य में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए। छात्र शांत हो गए। संयुक्त में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए और छात्र शांत हो गए। (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
	-	(ग)	-	बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल रहे हैं और उसकी ज़मीन हथिया रहे हैं।	1
	-	(घ)	-	हमारे ग्वालियर का जो मकान था उसके दालान में दो रोशनदान थे।	1
	-	(ङ)	-	सरल वाक्य	1
	-	-	(क)	'जागते रहो' फिल्म में राजकपूर ने जो अभिनय किया उसे बहुत सराहा गया।	1
	-	-	(ख)	अच्छी शासन व्यवस्था समता पर चलती है।	1
	-	-	(ग)	चेखव लेखक हैं और वे सारे संसार के चहेते माने जाते हैं।	1
	-	-	(घ)	मिश्र वाक्य के प्रधान एवं आश्रित उपवाक्यों को स्वतंत्र वाक्यों में बदलना तथा उन्हें योजक से जोड़ना, उदाहरण- मिश्र वाक्य- जैसे ही अध्यापक कक्षा में आए छात्र शांत हो गए। सरल वाक्य में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए। छात्र शांत हो गए। संयुक्त में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए और छात्र शांत हो गए। (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
	-	-	(ङ)	सरल वाक्य	1
5	**5**	**5**	**5**	**'समास'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	(1x4 =4)
	(क)	-	-	द्वंद्व समास में पूर्व और उत्तर दोनों पद प्रधान, उदाहरण- सुख-दुख, दूध-दही आदि। (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
	(ख)	-	-	तुलसीकृत – तत्पुरुष समास	½+½
	(ग)	-	-	कृष्ण है जो मृग – कर्मधारय समास	½+½
	(घ)	-	-	विग्रह के अनुसार- बहुव्रीहि समास/द्विगु समास/कर्मधारय समास	1
	(ङ)	-	-	पीला/पीत है जो अंबर – कर्मधारय समास या पीले/पीत हैं अंबर जिनके – बहुव्रीहि समास	½+½

	-	(क)	-	शरणागत – तत्पुरुष समास	½+½
	-	(ख)	-	मधु की मक्खी/मधु का संग्रह करने वाली मक्खी – तत्पुरुष समास	½+½
	-	(ग)	-	द्वंद्व समास में पूर्व और उत्तर दोनों पद प्रधान, उदाहरण- सुख-दुख, दूध-दही आदि। (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
	-	(घ)	-	बहुव्रीहि समास- अन्य पद प्रधान/ कर्मधारय समास – पूर्व पद विशेषण (कोई एक उत्तर अपेक्षित)	½+½
	-	(ङ)	-	नीला है जो कंठ – कर्मधारय समास या नीला है कंठ जिसका (शिव) – बहुव्रीहि समास	½+½
	-	-	(क)	मेखालाकार- तत्पुरुष समास	½+½
	-	-	(ख)	क्रोध रूपी अग्नि- कर्मधारय समास	½+½
	-	-	(ग)	बहुव्रीहि समास - अन्य पद प्रधान/ कर्मधारय समास – पूर्व पद विशेषण (कोई एक उत्तर अपेक्षित)	½+½
	-	-	(घ)	श्वेत है जो अंबर- कर्मधारय समास या श्वेत हैं अंबर जिनके - बहुव्रीहि समास	½+½
	-	-	(ङ)	द्वंद्व समास में पूर्व और उत्तर दोनों पद प्रधान, उदाहरण- सुख-दुख, दूध-दही आदि। (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
6	**6**	**6**	**6**	**'मुहावरे'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	(1x4 =4)
	(क)	-	-	'मंत्र न लगना' मुहावरा, उपयुक्त वाक्य प्रयोग	½+½
	(ख)	-	-	फूटी आँख न सुहाना	1
	(ग)	-	-	उपयुक्त वाक्य प्रयोग	1
	(घ)	-	-	पाँव जमीन पर न पड़ना	1
	(ङ)	-	-	राई का पहाड़ बनाना/बात का बतंगड़ बनाना	1
	-	(क)	-	छोटा मुँह बड़ी बात – मुहावरा, उचित वाक्य प्रयोग	½+½
	-	(ख)	-	दीवार खड़ी करना/ राह में रोड़े अटकाना/ टाँग अड़ाना	1
	-	(ग)	-	उचित वाक्य प्रयोग	1
	-	(घ)	-	तूती बोलती (तूती बोलना) / धूम मचना	1
	-	(ङ)	-	राई का पहाड़ बनाना/बात का बतंगड़ बनाना	1
	-	-	(क)	प्राण सूखना, उचित वाक्य प्रयोग	½+½
	-	-	(ख)	गाँठ बाँध लेना	1
	-	-	(ग)	उचित वाक्य प्रयोग	1
	-	-	(घ)	राई का पहाड़ बनाना/बात का बतंगड़ बनाना	1
	-	-	(ङ)	खरी-खोटी सुनाना	1

				खंड – ग (पाठ्य-पुस्तक)	
7	**7** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	7 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	7 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**'पठित गद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : (A) छोटे भाई को अभिमान के दुष्परिणामों से अवगत कराने के लिए (B) संपूर्ण संसार पर अपना आधिपत्य स्थापित करना (B) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। (C) 1-II, 2-III, 3-I (C) I और II दोनों	1**x** 5 **= 5**
8	**8**	8	8	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 25-30 शब्दों में) –	**(2 x 3 = 6)**
	(क)	-	-	• संगठन में शक्ति • अंग्रेज सरकार के नोटिस के बावजूद कलकत्तावासियों (स्त्री और पुरुष) द्वारा मोनुमेंट पर झंडा फहराना और स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ा जाना • सुभाष बाबू के नेतृत्व में कलकत्तावासियों का एकजुट होना	2
	(ख)	-	-	भौगोलिक स्थिति - • अंदमान द्वीपसमूह में पोर्ट ब्लेयर से लगभग सौ किलोमीटर दूर स्थित लिटिल अंदमान द्वीप के बाद निकोबार द्वीपसमूह की शृंखला आरंभ • लिटिल अंदमान द्वीप से 96 किलोमीटर दूर निकोबार द्वीपसमूह का पहला द्वीप कार –निकोबार परिवर्तन - • लोककथा के अनुसार पहले दोनों द्वीप जुड़े हुए, तताँरा के क्रोध के कारण दो भागों में विभक्त	1+1
	(ग)	-	-	• लोकप्रिय फ़िल्मों के प्रतिष्ठित कलाकार होने के बावजूद शुद्ध देहाती गाड़ीवान हीरामन के चरित्र का प्रभावी अभिनय • सिर्फ दिल की जुबान समझने वाले भोले गाड़ीवान के चरित्र में डूब जाना	2

	(घ)	-	-	रोने का कारण - ● घायल कुत्ते द्वारा गलती का बोध कराने पर नूह का पश्चाताप करना चरित्र की विशेषता - ● संवेदनशील, दया और करुणा की भावना से ओत-प्रोत	1+1
	-	(क)	-	● प्रशासन द्वारा क्रांतिकारियों के साथ किया गया व्यवहार निंदनीय, स्वतंत्रता की वर्षगाँठ मनाना अपराध नहीं ● स्वतंत्रता प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है और इसके लिए प्रदर्शन, विरोध उचित (अन्य उचित तर्क भी स्वीकार्य)	2
	-	(ख)	-	● समाज के लिए किया गया बलिदान व्यर्थ नहीं ● तताँरा-वामीरो के बलिदान से रूढ़िवादी परंपरा का अंत और नई परंपरा का आरंभ ● समाज द्वारा उनके बलिदान को सदैव याद किया जाना	2
	-	(ग)	-	● राजकपूर द्वारा फ़िल्म की संभावित असफलता के खतरों से आगाह किए जाने के बाद भी फ़िल्म बनाना ● शंकर जयकिशन के कहने पर भी गीत के बोल में परिवर्तन के लिए तैयार न होना ● आत्मसंतुष्टि के लिए फ़िल्म बनाना	2
	-	(घ)	-	नियंत्रण खोने का कारण - ● बड़े-बड़े बिल्डरों द्वारा समुद्र की जमीन का अतिक्रमण करना दुष्परिणाम - ● समुद्र द्वारा अपनी लहरों पर दौड़ने वाले जहाज़ों को तहस-नहस कर देना	2

	-	-	(क)	पाठ में वर्णित तरीके – ● घर-घर जाकर प्रचार करना और समझाना वर्तमान तरीके - ● विज्ञान और तकनीक के माध्यम से ● मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों (सोशल मीडिया) के द्वारा	2
	-	-	(ख)	(विद्यार्थियों के व्यक्तिगत अनुभव पर आधारित मुक्त उत्तर)	2
	-	-	(ग)	● फ़िल्म में कविता जैसी संवेदना और भाव-प्रवणता ● पात्रों का अभिनय जीवंत एवं सहज ● फ़िल्म के गीत कविता की भाँति मार्मिक	2
	-	-	(घ)	(विद्यार्थियों के व्यक्तिगत अनुभव पर आधारित मुक्त उत्तर)	2
9	**9** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	9 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	9 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**'पठित काव्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : (C) प्रकृति का रूप-सौंदर्य पल-पल नए रूप धारण कर रहा है (C) पुष्पों को (C) पारदर्शिता (C) अपना विशाल आकार (A) वर्षा ऋतु में पर्वतीय प्रदेश की अलौकिक सुषमा	1 **x** 5 = **5**
10	**10** (क) (ख)	10 - -	10 - -	**'काव्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 25-30 शब्दों में) – ● निंदक अपनी आलोचनाओं से हमें हमारी कमियों से अवगत कराता है। ● कमियों को दूर कर, स्वभाव को निर्मल करने का अवसर प्रदान करता है। ● श्रीकृष्ण के सामर्थ्य और पुरुषार्थ को जन-सामान्य तक पहुँचाना ● उनके भक्तवत्सल स्वरूप का उदाहरण देते हुए लोगों के साथ-साथ स्वयं की भी पीड़ा हरने का निवेदन करना	(2x3 =6) 2 2

	(ग)	-	-	प्रतीकात्मकता- ● तोप- सत्ता की निरंकुशता का प्रतीक ● चिड़िया - जनता का प्रतीक संदेश- ● अत्याचारी के आतंक का अंत निश्चित है इसलिए शक्ति का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।	1+1
	(घ)	-	-	● लक्ष्मण की भाँति रावण रूपी शत्रुओं के समक्ष वीरता एवं बलिदान की स्पष्ट लकीर खींचना	2
	-	(क)	-	● निंदको को अपने पास रखकर ● उनके द्वारा की जाने वाली आलोचना से स्वयं में सुधार	2
	-	(ख)	-	● श्रीकृष्ण का सान्निध्य प्राप्त करना ● दर्शन, सुमिरन और भक्ति का अवसर पाना	2
	-	(ग)	-	● ऐतिहासिक धरोहर के रूप में ● अतीत में हुई गलतियों को जानकर उन्हें न दोहराने की सीख	2
	-	(घ)	-	● राम की विनम्रता और सहनशीलता तथा लक्ष्मण की उग्रता, दोनों की वीरता, साहस, कर्त्तव्यनिष्ठा आदि विशेषताओं को अपनाकर रावण रूपी शत्रु से सीता रूपी भारत माता की रक्षा करना ● राम-लक्ष्मण की भाँति सीमित संसाधनों के साथ बलशाली शत्रु का सामना करना	2
	-	-	(क)	● समाज में परिवर्तन के लिए स्वयं में सुधार का उदाहरण प्रस्तुत करना ● स्वार्थ भाव से मुक्त लोग ही सामाजिक परिवर्तन में सहभागी	2
	-	-	(ख)	● श्रीकृष्ण का सान्निध्य प्राप्त करना ● दर्शन, सुमिरन और भक्ति का अवसर पाना	2

	-	-	(ग)	● समय के अंतराल से आतंक का प्रतीक तोप का भी प्रदर्शन की वस्तु, बच्चों एवं चिड़िया के मनोरंजन का साधन बनकर रह जाना ● कोई भी सत्ता, शक्ति कितनी भी ताकतवर क्यों न हो उसका अंत निश्चित	2
	-	-	(घ)	● 'सीता' के पवित्र दामन की तरह भारत की अखंडता एवं संप्रभुता को कोई चुनौती न दे सके	2
11	**11**	**11**	11	पूरक पाठ्य पुस्तक पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40 – 50** शब्दों में अपेक्षित –	(3x2 =6)
	(क)	(क)	(क)	● हरिहर काका का जीवन भी मझधार में फँसी नाव में सवार लोगों की तरह असहाय और बेसहारा हो जाना ● नाव पर सवार लोगों की तरह जीवन की जद्दोजहद से हारकर मौन धारण कर लेना ● स्वयं को परिस्थितियों के भरोसे छोड़ देना	3
	(ख)	(ख)	(ख)	● तकनीक के प्रयोग से वर्तमान समय में प्रचार-प्रसार के तरीकों में भारी अंतर ● मुद्रित और इलैक्ट्रानिक्स माध्यमों का उपयोग ● सोशल मीडिया की मदद से भी प्रचार-प्रसार (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)	3
	(ग)	(ग)	(ग)	● उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य	3
				खंड – घ **(रचनात्मक लेखन)**	
12	**12**	**12**	**12**	किसी **एक** विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन : ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक	5 **x** 1 = **5**

13	13	14	13	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में औपचारिक पत्र लेखन: ● आरंभ व अंत की औपचारिकताएँ – 1 अंक ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक	5 **x** 1 **= 5**
14	14	**15**	16	किसी **एक** विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लेखन: ● विषय-वस्तु – 2 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक ● भाषा – 1 अंक	4 **x** 1 **= 4**
15	15	13	14	किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन : ● विषय-वस्तु – 1 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक ● भाषा – 1 अंक	3 **x** 1 **= 3**
16	16	16	15	ई-मेल लेखन **अथवा** लघुकथा लेखन : ई-मेल लेखन (लगभग 80 शब्दों में) - ● औपचारिकताएँ – 1 अंक ● विषय-वस्तु – 2 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक ● भाषा – 1 अंक **अथवा** लघुकथा लेखन (लगभग 100 शब्दों में) – ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक ● प्रभाव – 1 अंक	5 **x** 1 **= 5**